साँसों के संतूर

दोहा संग्रह ७

आचार्य भगवत दुबे

Scanned with OKEN Scanner

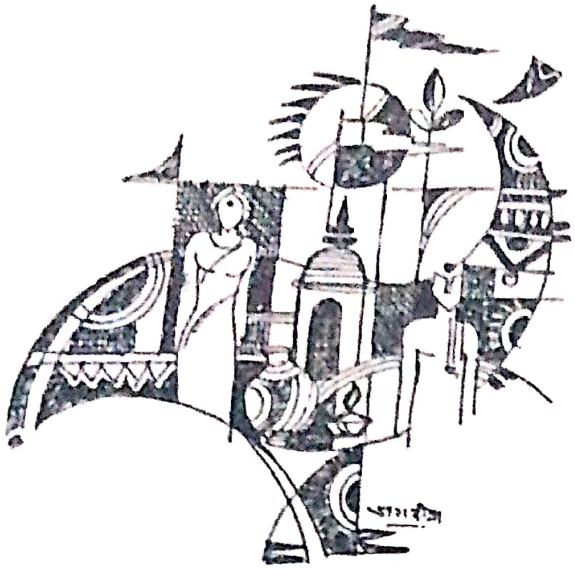

ISBN : 978-93-83598-24-3

साँसों के संतूर
SAANSON KE SANTOOR

- कृतिकार / **आचार्य भगवत दुबे**
  2672, 'विमल स्मृति', पिसनहारी-मढ़िया के पास,
  मेडीकल, जबलपुर (म.प्र.) - 482 003
  मो. : 093006-13975

- सर्वाधिकार
  आचार्य भगवत दुबे

- प्रथम संस्करण / **2014**

- प्रकाशक / **पाथेय प्रकाशन**
  112, सराफा वार्ड, जबलपुर
- दिशा / **डॉ. सुमित्र** जबलपुर
  मो. : 93001-21702
- संयोजना / **राजेश पाठक 'प्रवीण'**
  मो. : 98272-62605

- शब्द संयोजना / **मारबल कम्प्यूटर,** जबलपुर
- मुद्रक / **अमृत आफसेट,** जबलपुर
- मूल्य / **250/-**

Saanson Ke Santoor
by Aacharya Bhagwat Dubey

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्र	शीर्षक	पृष्ठ	क्र	शीर्षक	पृष्ठ
1.	कृपा सिन्धु भगवान्	23	44.	खूब किया पाखंड	80
2.	जो सद्गुरु के पास	25	45.	काम न आये मंत्र	81
3.	बेईमानी पुज रही	27	46.	महानगर के लोग	82
4.	सारस्वत उत्कर्ष	28	47.	दूल्हों का बाजार	83
5.	ममता वाली छाँव	29	48.	सच्चा कला प्रवीण	84
6.	लोकमांगलिक काव्य	30	49.	घर की कलह-अशांति	84
7.	रिश्ता रोटी-भूख का	32	50.	गाँवों में अमरावती	87
8.	सांस्कृतिक पहचान	33	51.	शृंगार	88
9.	जहाँ गरीबी-भुखमरी	34	52.	बुझा-बुझा सा प्यार	92
10.	आँसू की जागीर	35	53.	सुधियों के अवशेष	93
11.	आधुनिक आचरण	36	54.	बेटों की उद्दंडता	94
12.	शब्दों की संयोजना	38	55.	वफादार हैं बेटियाँ	95
13.	मँहगाई शिखरस्थ है	39	56.	नारी का अपमान	96
14.	सरस सुगंधित गीत	40	57.	बच्चों की मुस्कान	97
15.	उद्यमशील कबीर	41	58.	ऐसे दीप जलाइये	98
16.	भ्रष्टाचारी भूत	42	59.	खोज रहा विज्ञान	100
17.	जहाँ बिका ईमान	44	60.	हिन्दी में स्वीकारिये	101
18.	गंगा तारनहार	46	61.	बूँद-बूँद संचय करो	102
19.	अब रिश्वत की खाज	48	62.	नदियाँ	103
20.	यह दौलत बज्जाद	48	63.	दरियादिल इन्सान	103
21.	बम-चाकू-बन्दूक	50	64.	पर्यावरण सुधारिये	104
22.	सूली पर सच है टँगा	52	65.	हरियाली पावैं कहाँ	107
23.	हैं भयभीत प्रसून	54	66.	वृक्ष नहीं होंगे अगर	109
24.	कौन करे विषपान	55	67.	यह श्रमवीर किसान	110
25.	बहरे सुनें पुराण	57	68.	देख प्रकृति-सौन्दर्य को	111
26.	एक शब्द की चोट	59	69.	सूर्य उगलता आग	113
27.	राजनीति की खीर	60	70.	घटा घुमड़कर आ गई	114
28.	रुग्ण हुई सद्भावना	62	71.	पावस की पाती पढ़ी	115
29.	नेता का किरदार	63	72.	बैरी अगहन-पूस	116
30.	राष्ट्र भक्ति की आग	64	73.	बौराया मधुमास	117
31.	हुआ नहीं उत्कर्ष	65	74.	उदासीन शिक्षक हुए	119
32.	जगत् करे सम्मान	66	75.	पापी जो पथभ्रष्ट हैं	121
33.	सद्गुण के जलजात	67	76.	आध्यात्मिक आलोक	122
34.	ऐसा नग्न यथार्थ	69	77.	इच्छा का आकाश	123
35.	मन तो छुट्टा साँड है	70	78.	जिनके स्वर्ण चरित्र	124
36.	भड़काऊ उपदेश	71	79.	वाणी पर संयम रखो	126
37.	होता प्रेम पवित्र	72	80.	पानी प्राणाधार है	127
38.	संकट में विश्वास	73	81.	कभी न मानें हार	128
39.	तृष्णा का मारीच	74	82.	जब आया अवसान	130
40.	सामाजिक सद्भाव	75	83.	है शमशान महान	132
41.	आध्यात्मिक मकरंद	77	84.	निर्णय करे विवेक	133
42.	सबका प्रेम पवित्र	77	85.	मन है जिम्मेदार	134
43.	दुखियों का कल्याण	79	86.	है यह मनोविकार	135
			87.	चुभें आँख में शूल	135

Scanned with OKEN Scanner

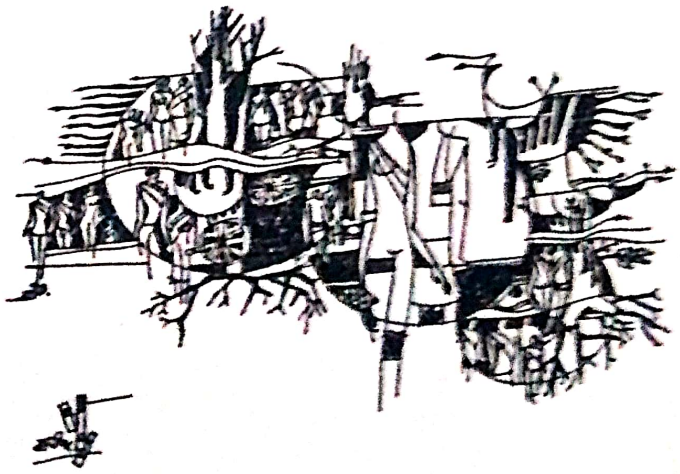

पंचमुखी रुद्राक्ष से, सुन्दर सारे अंग
प्रिये तुम्हारे रूप का, अर्चन करे अनंग

Scanned with OKEN Scanner

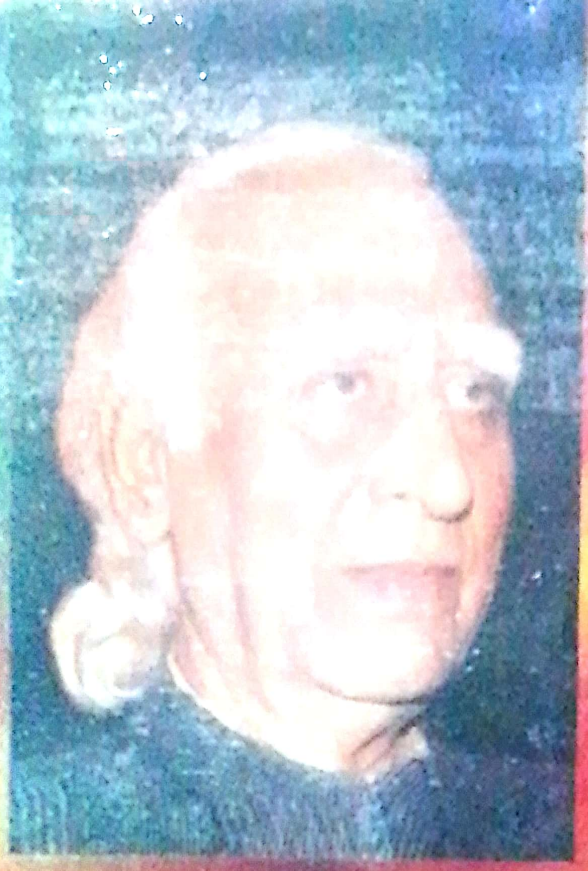

महाकवि
आचार्य भगवत दुबे
जबलपुर
मो. : 093006 13975

उन्नत ललाट, गौरवर्णी छवि, चाँदी जैसी केशराशि, पाण्डित्यपूर्ण-ऋषिमय आभा से सुशोभित व्यक्तित्व जिनके दर्शन मात्र से मन विनत हो जाए - ऐसी संज्ञा हैं - महाकवि आचार्य भगवत दुबे।
विद्वत मनीषी, वरिष्ठ सृजन साधक, महिमामय आचार्य भगवत दुबे जी का चिन्तन, दर्शन, सृजन जीवन सिद्धांत का पाथेय है।
'सांसों के संतूर' कृति में आचार्य जी के एक हजार से ज्यादा दोहे हैं। इन दोहों में श्रृंगार-सौंदर्य चित्रण के साथ अन्याय, अनीति, दुरवस्था, व्यवस्था, मूल्यों के संकट, शोषण उत्पीड़न पर मारक प्रहार किया है। आचार्य जी ने मन को चैतन्य बनाने सृजन मंत्र से जीवन का अनुष्ठान किया है। सृजन साधक को विनत प्रणाम

राजेश पाठक 'प्रवीण'
संयोजक–सचिव 'पाथेय'
सम्पादक–'सनाढ्य संगम'
जबलपुर मो. : 98272–62605

पाथेय प्रकाशन, जबलपुर
ISBN 978-93-83598-24-3

Scanned with OKEN Scanner

आचार्य भगवत दुबे की कृतियाँ

1. स्मृति गंधा (गीत संग्रह),
2. अक्षयमंत्र (साहित्य गीत-संग्रह),
3. शब्दों के संवाद (दोहा संग्रह),
4. हरीतिमा (पर्यावरण पर केन्द्रित),
5. रक्षा कवच
6. संकल्पर्थी
7. बजे नगाड़े काल के
8. वनपाँखी
9. दधीचि महाकाव्य (महर्षि दधीचि के आत्मोत्सर्ग पर केन्द्रित),
10. जियो और जीने दो
11. विषकन्या
12. शंखनाद (राष्ट्रीय गीत संग्रह),
13. चुभन (हिन्दी गज़ल संग्रह),
14. दूल्हादेव (कहानी संग्रह),
15. प्रणय ऋचाऐं (गीत संग्रह),
16. काँटे हुए किरीट (गीत संग्रह),
17. करुणायज्ञ (जीव दया पर केन्द्रित),
18. शब्द विहंग (दोहा संग्रह),
9. कसक (गज़ल संग्रह),
20. हिन्दी तुझे प्रणाम (काव्य संग्रह),
21. शिकन (गज़ल संग्रह),
22. हिरण सुगंधों के (नवगीत संग्रह),
23. घुटन (गज़ल संग्रह),
24. हम जंगल के अमलतास (नवगीत)
25. अक्कड़-बक्कड़ (बाल गीत संग्रह),
26. अटकन-चटकन (बाल गीत संग्रह)
27. साईं की लीला अपार
28. माँ ममता की मूर्ति
29. जनक छन्द की छवि छटा
30. हायकुरत्न
31. गीत स्वाभिमान के
32. फागों में लोकरंग
33. 'ताँका' बाँका छन्द है
34. गौरवपुत्र (निबंध संग्रह)
35. चिन्तन के चौपाल

Scanned with OKEN Scanner